INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI	Department: Hindi (2nd Lang)	Date of submission:
Questions and answers & word Meanings	Topic: poem - Ven Ke Marg Main.	Note: Pls. write in your Hindi note book

NOTE- You should not write poem and its explanation in your note book .It is only for your help to understand the poem in a better way.

पाठ- 3 वन के मार्ग में (कविता) सवैया

1-पुर तें निकसी रघुबीर-बधू ,धरि धीर दए मग में डग द्वै।
झलकीं भरि भाल कनी जल की,पुट सूखि गए मधुराधर वै।।
फिरि बूझति हैं,"चलनो अब केतिक,पर्नकुटी करिहौं कित ह्वै?"
तिय की लखि आतुरता पिय की अँखियाँ अति चारू चलीं जल च्वै।।

1 सवैया व्याख्या:- प्रस्तुत सवैये में तुलसीदास जी ने सीता जी के वन गमन अर्थात वन की ओर जाने के समय का बहुत मार्मिक वर्णन किया है। नगर से निकलते ही थोड़ी दूर चलने के बाद ही राम की पत्नी सीता थक जाती हैं। उनके माथे पर पसीना आने लगता है तथा उनके कोमल होंठ सूख जाते हैं। वे राम से पूछती हैं कि अभी और कितनी दूर चलना है तथा पर्णकुटी कहाँ बनानी है। उनकी इस व्याकुलता या बेचैनी को देखकर श्री राम की आँखों में आँसू आ जाते हैं।

2-जल को गए लक्खनु,हैं लरिका परिखौ पिय!छाँह घरीक ह्वै ठाढ़े।
पोंछि पसेउ बयारि करौं अरु पायँ पखारिहौं भूभुरि-डाढ़े।।
तुलसी रघुवीर प्रियाश्रम जानि कै बैठि बिलंब लौं कंटक काढ़े।
जानकीं नाह को नेह लख्यौ,पुलको तनु , बारि बिलोचन बाढ़े।।

2-व्याख्या :-प्रस्तुत सवैये में तुलसीदास जी ने सीता और राम के वन गमन अर्थात वन की ओर जाने के समय का वर्णन किया है।सीता जी बेचैन

होकर राम से कहती है कि जल लाने गए लक्ष्मण तो बालक ही हैं उन्हें समय लग जाएगा ।उनके आने तक आप किसी वृक्ष की छाया में थोड़ी देर खड़े होकर उनकी प्रतीक्षा कर लें।मैं आपके पसीने को पोंछकर हवा कर देती हूँ ।मैं गरम रेत से तपे हुए आपके पैरों को भी धो देती हूँ । श्री राम सीता के बेचैनी से भरे वचनों को सुनकर कुछ देर पेड़ की छाया में बैठकर उनके पैरों से काँटे निकालने लगते हैं।सीता उन्हें प्रेम से देखती हैं और मन ही मन प्रियतम के इस स्नेह को देखकर पुलकित हो जाती हैं और उनकी आँखों से आँसू बहने लगते हैं।

Note- No need have Write all the word meaning in your note book. It is for your help to understand the poem in a better way. Write any 20 word meanings your note book.

शब्दार्थ -

1-पुर ते- नगर से- from the city

2- मधुराधर-मधुर होंठ - soft lips

3- निकसी -निकली- came out

4 - बुझति-पूछती -asked

5-रघुबीर-बधू-राम की पत्नी (सीता) –Rama's wife Sita

6 - चलनो -चलना - walks

7-धरि- रखकर- to keep

8 - करिहौं -कहाँ बनाओगे- where will you construct

9 -पर्नकुटी-पत्तों की कुटिया- hut made out of leaves

10- पुट- होंठ- lips

11-सुखी -सूख - dry

12 -जल - पानी- water

13-धीर-धीरज -patience

14 - कित -कहाँ- where

15- दए - दिए -keep

16 - तिय-पत्नी- wife

17-मग में - मार्ग में- on the way

18 - लखि-देखकर - saw

19- डग- कदम -steps

20 - आतुरता- बेचैनी- restless

21 - द्वै- दो- two

22 - पिय- प्रियतम- husband

23 -झलकी- दिखाई दी- to see

24 - अँखियाँ -आँखें- eyes

25 - भाल - माथा- forehead

26 - चारू-सुंदर- beautiful

27- जल च्वै - आँखों से आँसू बहना- tears falling from the eyes

28 -लक्खन-लक्ष्मण- Lakshman

29- जानकीं-सीता- Sita

30 -लरिका- बालक- boy ,लड़का

31- नाह- नाथ, प्रियतम- husband

32 परिखौ- इंतजार करो- to wait

33 नेह-स्नेह ,प्यार- love

34 छाँह- छाया- shadow

35 लख्यौ-देखकर -saw

36- घरीक- एक घड़ी, कुछ समय- some time

37- पुलको -पुलकित हो जाना, बहुत प्रसन्न हो जाना- to become joyful

38- ह्वै ठाढ़े- खड़े होकर- to stand

39- तनु -शरीर- body

40-पोंछि- पोंछ कर- wipe away

41- बारि- जल- water

42- पसेउ- पसीना-sweat

43 बयारि- हवा air

44- बिलोचन-आँखें eyes

45-पायँ - पैर feet

46- बाढ़े- भर आना filled with

47-पखारिहौं -धोऊँगी wash

48- भूभुरी - डाढ़े - रेत बहुत गर्म है sand is too hot

49-विलंब लौं - देर तक -for a long time

50-कंटक- काँटे - thorns

51-नाह- नाथ, प्रियतम husband

52- नेह - स्नेह ,प्यार - love

53 - लख्यौ - देखकर- saw ,

54- तनु-शरीर body

55- बारि- जल water

56- बिलोचन-आँखें -eyes

57 - बाढ़े - भर आना filled with.

Note- Please write all the Question and answers in your note book.

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. राम और सीता कहाँ जाने के लिए निकले थे ?

उत्तर - राम और सीता वन जाने के लिए निकले थे |

प्रश्न 2. किसके पैरों में काँटे चुभ गए थे ?

उत्तर - सीता के पैरों में काँटे चुभ गए थे |

प्रश्न 3. लक्ष्मण कहाँ गए थे ?

उत्तर - लक्ष्मण पानी लाने गए थे |

प्रश्न 4. श्री राम की आँखों से आँसू क्यों आ गए ?

उत्तर -श्री राम की आँखों से आँसू सीता की बैचेनी को देखकर आ गए |

प्रश्न 5 :- पर्णकुटी किस चीज से बनती है?

उत्तर- पर्णकुटी पत्तों से बनती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1- नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने के बाद सीता की क्या दशा हुई ?

उत्तर -नगर से बाहर निकलकर दो पग चलने पर ही सीता थक गई और पसीने से लथपथ हो गई , उसके पैरों में काँटे चुभ गए और होंठ प्यास से सूखने लगे |

2- 'अब और कितनी दूर चलना है, पर्णकुटी कहाँ बनाइएगा 'किसने किससे पूछा और क्यों?

उत्तर. - अब और कितनी दूर चलना है , और पर्णकुटी कहाँ बनानी है- यह बात सीता जी ने राम जी से पूछी , क्योंकि वे बहुत ज्यादा थक गई थीं और उन्हें बहुत ज्यादा प्यास भी लग रही थी ।

3- राम ने थकी हुई सीता की क्या सहायता की ?

उत्तर- राम थकी हुई सीता के पैरों से देर तक अपने हाथ से काँटे निकालते रहे,ताकि सीता को आराम करने का ज्यादा से ज्यादा समय मिल जाए और उनकी थकान कम हो जाए |

4- सीता की आतुरता देखकर राम की क्या प्रतिक्रिया होती है?

उत्तर- सीता की आतुरता देखकर राम जी अत्यंत व्याकुल हो उठते हैं। उनकी आँखों से आँसू निकलते लगते हैं क्योंकि उनसे सीता जी की यह दशा देखी नहीं जाती।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

1- पाठ के आधार पर वन के मार्ग का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर- प्रस्तुत कविता में तुलसीदास जी ने तब का प्रसंग बताया है, जब श्री राम, लक्ष्मण और सीता जी वनवास के लिए निकले थे,और उनके लिए वन का मार्ग काँटों से भरा था | इस तरह के मार्ग पर सँभलकर चलना पड़ता था

|रहने ले लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं था | खाने की वस्तुएँ नहीं थी और पानी भी दूर तक कहीं नज़र नही आता था | चारों तरफ़ सन्नाटा था |

2- वन के मार्ग में सीता को कौन - कौन सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ?

उत्तर- सीता एक राजकुमारी थीं वे बचपन से महलों में ही रही थीं | उन्हें अधिक दूर तक चलने की आदत नहीं थी इसलिए वन के मार्ग में सीता जी को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा जैसे वे चलते-चलते थक गईं और उनके माथे पर पसीना आने लगा। प्यास से उनके होंठ भी सूखने लगे तथा नंगे पाँव होने के कारण उनके पैरों में काँटे भी चुभ गए थे।

3- राम बैठकर देर तक काँटे क्यों निकालते रहे?

उत्तर- जब लक्ष्मण जी जल लेने जाते हैं तो सीता जी श्री राम से पेड़ के नीचे विश्राम (आराम) करने के लिए कहती हैं।सीता जी की इस दयनीय दशा को देखकर राम जी बहुत दुखी और व्याकुल हो जाते हैं | और थोड़ी देर विश्राम करने के बाद वह सीता जी के पैरों में से काँटे निकालने लगते हैं जिससे उनके कष्ट थोड़े कम हो सकें।